गोरखपुर मंडल में 2551 सरकारी संपत्तियों पर वक्फ का कब्जा

गोरखपुर एजेंसी। गोरखपुर मंडल में सबसे अधिक देवरिया जिले में कुल 1027 सरकारी संपत्तियां वक्फ के रूप में दर्ज हैं। वक्फ घोषित किए गए मुतवल्ली की नियुक्ति और जमीनों के व्यावसायिकरण की रिपोर्ट केंद्रीय एजेंसी की टीम तैयार कर रही। वक्फ की संपत्तियों को लेकर गोपनीय तरीके से रिपोर्ट तैयारी की जा रही है। केंद्रीय एजेंसी की टीम वक्फ संबंधी मामलों को निगरानी कर रही है। सूत्रों की मानें तो वक्फ कितने मुस्लिम लोगों ने घोषित किया था और घोषित होने के बाद से लेकर अभी तक इन जमीनों पर क्या-क्या व्यावसायिक निर्माण हुआ है, इसकी रिपोर्ट एजेंसी की टीम तैयार कर रही है। इसमें मस्जिद, मदरसों को बाहर रखा। राज्यव की टीम ने रिकॉर्ड का सत्यापन शुरू कर दिया है। गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीर नगर, बस्ती, महराजगंज, देवरिया और कुशीनगर मिलाकर कुल 2,551 सरकारी सपंत्तियों पर वक्फ का कब्जा मिला है। इसकी रिपोर्ट भी शासन स्तर पर भेज दी गई है। माना जा रहा है कि पहले इन सरकारी संपत्तियों को कब्जे से मुक्त करवाया जाएगा। इसके बाद वक्फ की जमीनों के व्यावसायिकरण पर कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि जिला प्रशासन के पास मौजूद राजस्व अभिलेखों में 1366 फसली वर्ष से लेकर वर्ष 1795 के रिकॉर्ड भी मिले हैं। ये रिकॉर्ड उर्दू में हैं।

युवक ने 6 साल की बच्ची से की दरिंदगी

ललितपुर बांसी एजेंसी।

यूपी के ललितपुर बांसी में जवारों की आरती के बाद घर के बाहर खेल रही एक छह साल की बच्ची को बहाने से ले जाकर पड़ोसी युवक ने दुष्कर्म किया। हाथ में 10 का नोट देकर किसी से कुछ न कहने की बात कहते हुए उसे घर के पास बाइक से छोड़कर भाग गया। पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

दुष्कर्म के बाद थमाया 10 का नोट

थाना जखौरा अंतर्गत एक गांव में रहने वाली छह वर्षीय मासूम बच्ची गुरुवार की देर रात करीब 11 बजे जवारों की आरती के बाद अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान वहां पर गांव का एक युवक आया और मासूम को बहाने से अपने साथ बाइक पर बैठाकर ले गया। यहां आरोपी युवक ने मासूम के साथ दुष्कर्म किया। देर रात करीब 12 बजे आरोपी राहुल यादव 10 रुपये बच्ची के हाथ में देकर चुप रहने की बात कहकर घर के बाहर छोड़कर चला गया।

बच्ची के कपड़ों पर लगा था खून

परिजनों को बच्ची के कपड़ों पर खून दिखा। कारण पूछा तब बच्ची ने उसके साथ हुई पूरी घटना के बारे में बताया। नवरात्रि पर्व में छह साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात होने की खबर पर गांव वालों में हड़कंप मच गया। परिजनों ने बांसी चौकी पुलिस से शिकायत की। वहीं सूचना मिलने पर सीओ सदर और जखौरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़ति बच्ची को जिला महिला अस्पताल पहुंचाया। यहां उसका मेडिकल सहित इलाज कराया गया। पुलिस ने पीड़ता के पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मासूम के घर में रखे थे जवारे, हो रहे भजन-कीर्तन

मासूम बच्ची के पिता ने अपने घर पर नवरात्रि में जवारे बोये थे। जिसमें प्रतिदिन पूजा-पाठ और आरती की जा रही थी। गुरुवार की रात को भी जवारों की आरती व पूजा होने के बाद भजन कीर्तन का कार्यक्रम चल रहा था। जिसमें गांव के लोगों सहित पड़ोसी और परिजन मौजूद थे। मासूम बच्ची भी आरती में शामिल हुई थी। आरती के बाद वह घर के बाहर खेलने लगी थी। इसी दौरान गांव का युवक बाइक से आया था और मासूम बच्ची को अपने साथ ले गया था।

इस तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा

पीड़ति मासूम के पिता ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि उसने घर पर जवारे बोए हैं। गुरुवार की रात को घर पर जवारों में भजन

कीर्तन हो रहा था। घर के बाहर उसकी छह साल की पुत्री खेल रही थी। रात करीब 11 बजे गांव का युवक आया और रुपयों का लालच देकर उसकी पुत्री को अपनी बाइक पर बैठाकर बांसी की ओर ले गया। रास्ते में आरोपी ने उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। जब वह भजन कीर्तन के बाद उठा तो पुत्री नहीं मिली। खोजबीन कर रहा था कि आरोपी युवक उसकी पुत्री को बाइक पर बैठाकर उसके घर के पास छोड़कर भाग गया। पुत्री ने उसके साथ हुई पूरी घटना बताई। रात को जब बच्ची घर के बाहर नहीं मिली तो परिजन खोजबीन कर रहे थे। देर रात करीब 12 बजे बच्ची अंधेरे की तरफ से आते दिखी। परिजन पास गए तो घरवालों को देखकर रोने लगी, उसके हाथ में दस रुपये का नोट था। घरवालों ने पूछा तो तब बच्ची ने बताया चाचा (जिसे कि बच्ची के रिश्ते से चाचा संबोधित करती थी) बाइक से ले गए थे। यह 10 रुपये दिए और यहीं छोड़कर चले गए, कह रहे थे चुप रहना। घर वालों ने देखा तो बच्ची के कपड़ों में खून लगा था। इसका कारण पूछा तो बच्ची घटना के बारे में बताया था। मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस जुटी हुई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आगे की वैधानिक कार्रवाई अमल में लायी जा रही है।

एक करोड़ 60 लाख का गांजा बरामद, ओडिशा से यूपी ला रहे थे बड़ी खेप, छिपाने का तरीका देख पुलिस हैरान

सोनभद्र एजेंसी।

एसओजी, सर्विलांस और पुलिस को गांजा तस्करी की सूचना मिली थी। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, तीन बदमाश वांछित घोषित किए गए हैं। एसओजी, सर्विलांस टीम और शाहगंज थाना पुलिस ने संयुक्त अभियान में अंतरजनपदीय गांजा तस्करों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। तस्करी के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए डीसीएम ट्रक में बने गुप्त चैंबर से 8 क्विंटल गांजा बरामद किया गया है। इस दौरान पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया, जबकि तीन अन्य आरोपियों को वांछित घोषित किया गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा से लाया गया भारी मात्रा में गांजा एक डीसीएम ट्रक में छिपाकर यूपी की ओर लाया जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शाहगंज थाना क्षेत्र के बनौरा गांव के पास रॉबर्ट्सगंज-घोरावल मार्ग पर वाहन को घेर लिया। जांच के दौरान डीसीएम ट्रक के अंदर बने चैंबर से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, बरामद गांजा की कीमत करीब 1 करोड़ 60 लाख रुपये आंकी गई है। पक? गए तस्करों की पहचान गोंडा के खो?रे थाना क्षेत्र के मकोईया निवासी डेविड कुमार चौरसिया और प्रतापग? के अंतू थाना क्षेत्र के पंडित का पुरवा निवासी जगमोहन के रूप में हुई। इसके अलावा उनके तीन अन्य साथी बबलू, कादिम अली और सिद्धि विनायक फरार हैं। एएसपी ने

बताया कि गिरफ्तार तस्कर अंतरजनपदीय नेटवर्क का हिस्सा हैं, जो गांजा तस्करी में लिप्त थे। गिरोह के सदस्य विशाखापत्तनम तक हवाई यात्रा से पहुंचते थे और वहां से सड़क मार्ग के जरिए ओडिशा जाते थे, जहां डीसीएम ट्रक में गांजा लोड कर यूपी लाया जाता था। ट्रक की लोकेशन देने के लिए तस्करों के साथी आगे-आगे चल रहे थे, जिससे किसी भी पुलिस जांच से बचा जा सके। लगातार हो रही गांजा तस्करी के मामलों पर पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। एसपी अशोक कुमार मीणा ने टीम को 25000 का इनाम देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जनपद में नशे के कारोबार को पूरी तरह खत्म करने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है, जबकि फरार तस्करों की तलाश में पुलिस की कई टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस टीम में एसओजी प्रभारी राम स्वरूप वर्मा, सर्विलांस प्रभारी नागेश कुमार सिंह, शाहगंज एसओ जितेन्द्र कुमार, शाहगंज कस्बा चौकी प्रभारी राम सिंहासन शर्मा आदि मौजूद रहे।

फायर एनओसी नहीं मिलने से बढ़ी 500 बेड अस्पताल की शुरूआत

झांसी एजेंसी। कार्यदायी संस्था की लेटलतीफी से मेडिकल कॉलेज में 500 बेड के अस्पताल की शुरुआत का समय बढ़ता जा रहा है। अभी तक फायर एनओसी भी नहीं मिली है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन का कहना है कि बिल्डिंग हैंडओवर नहीं होने से अस्पताल शुरू होने में देरी हो रही है। हैंडओवर होने के 20 दिन में अस्पताल शुरू कर देंगे। मेडिकल कॉलेज परिसर में 500 बेड के अस्पताल की अत्याधुनिक बिल्डिंग करीब पांच माह पहले बनकर तैयार हो गई है। जिसे जल्द शुरू करने के शासन-प्रशासन लगातार निर्देश दे रहा है। वहीं, कार्यदायी संस्था की लेटलतीफी दूर होने का नाम नहीं ले रही है। ये हालात तब है जबकि मंडलायुक्त ने फरवरी में बिल्डिंग हैंडओवर करने के आदेश दिए थे। सूत्र के अनुसार कार्यदायी संस्था को बिजली विभाग के सुरक्षा निदेशालय के साथ-साथ नगर निगम ने लिफ्ट की एनओसी दे दी है।

वक्फ संशोधन बिल पासः जुमे की नमाज को लेकर बढ़ी सुरक्षा, सीतापुर मे 250 लोग पाबंद, ड्रोन से की जा रही निगरानी

लखनऊ एजेंसी।

वक्फ संशोधन बिल के संसद पास होने के मद्देनजर यूपी के अलग-अलग जिलों में शुक्रवार की नमाज के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कई जगहों पर ड्रोन से निगरानी की जा रही है। लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल के पास होने के बाद जुमे की नमाज को लेकर प्रदेश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लखनऊ में ड्रोन की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, सीतापुर में 250 लोगों को पाबंद किया गया है। लखनऊ में कड़ी सुरक्षा के बीच पुराने लखनऊ और बड़ा इमामबाड़ा पर नमाज अदा की गई। जेपीसी कानून व्यवस्था बब्लू कुमार ने कहा है आज का दिन पूरी शांति और व्यवस्था से गुजरे इसके लिए प्रशासन ने पूरे इंतजाम किए हैं। लखनऊ में सुरक्षा के लिए 10 कंपनी पीएसी और एक कंपनी

आरएएफ उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने कहा कि हमने ईद पर सुरक्षा के लिए जो इंतजाम किए थे और जनता से संपर्क किया था ठीक उसी फार्मेट पर आगे भी काम किया गया। कहीं पर कोई तनाव की स्थिति नहीं है। लोगों के साथ सामंजस्य बनाकर हम सभी कार्यक्रमों को सम्पन्न करा रहे हैं।संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और कई जगहों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। वक्फ संशोधन बिल को संसद में पास कर दिया है और अब कानून बनाने के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। इस बिल पर समाज के कुछ हिस्सों में विरोध है जिसे लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। केंद्र की भाजपा सरकार का दावा है कि यह बिल मुसलमानों के हित में है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि वक्फ के काम में पारदर्शिता आए। इसका मूल मकसद वक्फ संपत्ति का रखरखाव करना है। विधेयक के खिलाफ जो भ्रम फैलाया जा रहा है, उसका विरोध करता हूं। बिल को लेकर 2013 में बनी जेपीसी में सिर्फ 13 सदस्य थे, अब इस बिल को लेकर बनी जेपीसी में 31 सदस्य थे।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फंदा लगाकर दी जान

हमीरपुर एजेंसी। पत्नी ने बताया कि वह कानपुर में जुही रत्तूपुरवा अपने मायके में दोनों बेटियों के साथ रहती है। ईद के चलते वह हमीरपुर आई थी। मौदहा जाने की तैयारी थी, लेकिन अचानक शराब पीकर आने से विवाद हुआ। हमीरपुर जिला मुख्यालय के खालेपुरा में शुक्रवार को शराब के नशे में घर पहुंचने पर युवक की पत्नी व पिता से हाथापाई हो गई। पत्नी बच्चों को लेकर मायके जा रही थी, तभी युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने पर वह लौट आई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कबाड़ का काम करने वाले खालेपुरा जामा मस्जिद के पास निवासी जमीर (35) शुक्रवार दोपहर घर शराब के नशे में पहुंचा। इससे उसका पत्नी हाशमी व पिता जमील से विवाद हो गया। इस पर हाथापाई भी हुई। नाराज हाशमी दोनों बेटियों को लेकर ससुर के साथ मायका कानपुर के लिए घर में ताला डालकर निकल गई। तभी जमीर ने खपरैल से घर में घुसकर फंदा लगा आत्महत्या कर ली। जानकारी होने पर बहन शन्नों ने उसे फंदे से उतार जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर हाशमी भी रास्ते से लौट आई। हाशमी ने बताया कि वह कानपुर में जुही रत्तूपुरवा अपने मायके में दोनों बेटियों के साथ रहती है। ईद के चलते वह हमीरपुर आई थी। मौदहा जाने की तैयारी थी।

ट्रंप की धमकी को पुतिन ने धुंआ-धुंआ कर दिया, ताबड़तोड़ ड्रोन अटैक से कांप गया यूक्रेन

वाशिंगटन एजेंसी।

रूस द्वारा खार्किव पर ड्रोन हमले शुरू करने के बाद एक रिहायशी इलाके में कई जगहों पर आग भड़कती हुई दिखाई दे रही है। स्थानीय आपातकालीन सेवाओं द्वारा जारी किए गए वीडियो में दमकलकर्मियों को जलती हुई कारों और संरचनाओं को बुझाते हुए और नोवोबावर्स्की जिले में निवासियों को निकालने में मदद करते हुए दिखाया गया है। शहर के मेयर ने कहा कि कम से कम चार लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। पूर्वी यूक्रेन के शहर खार्किव में रूसी ड्रोन हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 30 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। रूस और यूक्रेन ने हवाई हमले तेज़ कर दिए हैं, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन साल से ज़्यादा समय से चल रही महंगी लड़ाई के बाद युद्धविराम के लिए उन पर दबाव डाल रहे हैं।

यूक्रेन की राज्य आपातकालीन सेवा ने टेलीग्राम पर बताया कि गुरुवार देर रात खार्किव में आवासीय और कार्यालय भवनों को निशाना बनाकर हमला किया गया, जिससे कई जगहों पर आग लग गई। 3 अप्रैल को रूस द्वारा खार्किव पर ड्रोन हमले शुरू करने के बाद एक रिहायशी इलाके में कई जगहों पर आग भड़कती हुई दिखाई दे रही है। स्थानीय आपातकालीन सेवाओं द्वारा जारी किए गए वीडियो में दमकलकर्मियों को जलती हुई कारों और संरचनाओं को बुझाते हुए और नोवोबावर्स्की जिले में निवासियों को निकालने में मदद करते हुए दिखाया गया है। शहर के मेयर ने कहा कि कम से कम चार लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए।

न पानी, न खाना, 40 घंटे तक तुर्किए के एयरपोर्ट में क्यों फंसे 200 यात्री

लंदन एजेंसी।

वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट के प्रवक्ता ने कहा कि अगर मंजूरी नहीं मिलती है, तो हम कल तुर्की के दूसरे एयरपोर्ट पर ग्राहकों को बस से वैकल्पिक विमान में ले जाने की योजना बना रहे हैं, ताकि वे मुंबई तक की अपनी यात्रा पूरी कर सकें। उन्होंने कहा कि इस बीच, यात्रियों को तुर्की में रात भर होटल में ठहरने और जलपान की सुविधा दी जा रही है, जबकि हम समाधान की दिशा में काम कर रहे हैं, और जैसे ही नए अपडेट उपलब्ध होंगे, हम सभी ग्राहकों को सूचित करेंगे। लंदन-मुंबई वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट में सवार 200 से ज़्यादा यात्री तुर्की के दियारबाकिर एयरपोर्ट पर लगभग 40 घंटे से फंसे हुए हैं। लंदन से मुंबई जाने वाली 358 फ्लाइट को दियारबाकिर एयरपोर्ट पर तत्काल मेडिकल डायवर्जन के कारण रद्द कर दिया गया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि लैंडिंग के बाद विमान में तकनीकी समस्या आ गई और उसकी जांच की जा रही है। फंसे हुए 200 यात्रियों में से कई भारतीय भी हैं। 2 अप्रैल को लंदन हीथ्रो से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाली वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट (358) को तत्काल चिकित्सा कारणों से तुर्की के दियारबकिर एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। एयरलाइन कंपनी के अनुसार, आवश्यक तकनीकी मंजूरी मिलने के बाद, फ्लाइट आज स्थानीय समयानुसार 12:00 बजे दियारबकिर एयरपोर्ट से मुंबई के लिए अपनी आगे की यात्रा फिर से शुरू करेगी। वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट के प्रवक्ता ने कहा कि अगर मंजूरी नहीं मिलती है, तो हम कल तुर्की के दूसरे एयरपोर्ट पर ग्राहकों को बस से वैकल्पिक विमान में ले जाने की योजना बना रहे हैं।

चीन ने लिया ट्रंप से बदला, लगा दिया अमेरिकी चीजों पर 34 परसेंट का एक्स्ट्रा टैरिफ

वाशिंगटन एजेंसी।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि व्यापार युद्धों और टैरिफ युद्धों में कोई विजेता नहीं होता। ट्रम्प द्वारा देश के तीसरे सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका में अपने 438 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक के आयात पर टैरिफ लगाए जाने के बाद बीजिंग ने दृढ़ता से जवाबी उपाय अपनाने की कसम खाई।

चीन ने कहा कि वह 10 अप्रैल से अमेरिका से आयातित सभी वस्तुओं पर 34 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगाएगा, सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया। इस कदम को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जिसे उन्होंने चीन सहित व्यापारिक साझेदारों पर नए शुल्क लगाने की घोषणा के बाद और बढ़ा दिया है। ट्रंप ने बुधवार को सभी चीनी वस्तुओं के आयात पर अतिरिक्त 34त्न शुल्क लगाने की घोषणा की, और 10त्न अतिरिक्त शुल्क की दो किस्तों के साथ, अमेरिका में आने वाले चीनी सामान प्रभावी रूप से 54त्न शुल्क के अधीन होंगे।

कपड़ों से लेकर रसोई के बर्तनों तक हर चीज का अमेरिका को प्रमुख निर्यातक चीन ने पहले ही जवाबी कार्रवाई की घोषणा कर दी है, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए कीमतें बढ़ने की आशंका है। ट्रंप की टीम ने कर दी कैलकुलेशन मिस्टेक या आने वाले दिनों में भारत समेत अन्य देशों पर

लग सकता है और टैरिफ इससे पहले, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि व्यापार युद्धों और टैरिफ युद्धों में कोई विजेता नहीं होता। ट्रम्प द्वारा देश के तीसरे सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका में अपने 438 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक के आयात पर टैरिफ लगाए जाने के बाद बीजिंग ने दृढ़ता से जवाबी उपाय अपनाने की कसम खाई। ट्रम्प के टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए, चीन ने कहा,इतिहास दिखाता है कि टैरिफ बढ़ाने से संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। यह अमेरिकी हितों को नुकसान पहुँचाता है और वैश्विक आर्थिक विकास के साथ-साथ औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता को भी खतरे में डालता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में चीन के साथ अमेरिका का कुल माल व्यापार अनुमानित 582.4 बिलियन अमरीकी डॉलर था। जबकि 2024 में चीन को अमेरिकी माल निर्यात 143.5 बिलियन अमरीकी डॉलर था, 2024 में चीन से अमेरिका का आयात कुल 438.9 बिलियन अमरीकी डॉलर था। 2024 में चीन के साथ अमेरिकी माल व्यापार घाटा 295.4 बिलियन अमरीकी डॉलर था। ट्रम्प के नवीनतम टैरिफ का उद्देश्य चीन पर अधिक अमेरिकी औद्योगिक और कृषि वस्तुओं और उत्पादों को खरीदने के लिए दबाव डालना है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प ने महीनों से अन्य देशों की विशिष्ट वस्तुओं के लिए उच्च टैरिफ दरों से मेल खाने के लिए पारस्परिक टैरिफ लगाने और गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने की कसम खाई थी, जो अमेरिकी निर्यात को नुकसान पहुंचाते हैं।